वाणिज्य में स्नातक
बी. कॉम (एफ. वाई. यू. पी.)

बी. ई. वी. ए. ई. -181: पर्यावरण अध्ययन पर क्षमता वर्धक अनिवार्य पाठ्यक्रम

सत्रीय कार्य
2024–25

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जनवरी 2024 से 31st दिसम्बर 2024

प्रथम सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –1100 68

वाणिज्य में स्नातक (बी. कॉम)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. ई. वी. ए. ई. -181: पर्यावरण अध्ययन पर क्षमता वर्धक अनिवार्य पाठ्यक्रम

सत्रीय कार्य 2024–25

प्रिय छात्र/छात्राओं,

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो जून 2024 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें 15 मार्च 2024 तक जमा करवाना होगा।
2. वे छात्र जो दिसम्बर 2024 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे 15 अक्टूबर 2024 तक जमा करवायें।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**बी. ई. वी. ए. ई.-181**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**पर्यावरण अध्ययन पर क्षमता वर्धक अनिवार्य पाठ्यक्रम**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**बी. ई. वी. ए. ई.-181/टी. एम. ए./2024-25**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. वर्तमान संदर्भ में वनों का पारिस्थितिक महत्व क्यों अधिक महत्वपूर्ण है ? व्याख्या कीजिए । **(8)**

2. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 125 शब्दों में दीजिए । **(4x5=20)**

क) जैव विविधता हॉटस्पॉट के रूप में शामिल करने के लिए पशिचमी घाट की विशेषताओं की व्याख्या करें।

ख) जलविद्युत को ऊर्जा का सर्वोत्तम स्त्रोत क्यों माना जाता है ? इसे विस्तार से समझाइए ।

ग) नवीकरणीय संसाधनों के बीच हमारे परिवेश में बायोमास का महत्व दिन – प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ इसकी व्याख्या कीजिए ।

घ) वायु प्रदूषण वायुमंडलीय प्रक्रियाओं को कैसे प्रभावित करता है ?

ई) कचरे का निपटान क्या है ? कचरे के पृथक्करण की आवश्यकता क्यों है ?

3. जैविक और अजैविक घटकों का उदाहरण लेकर मानव – पर्यावरण संबंध की व्याख्या करें । **(7)**

4. "जैसे जैसे मानव सभ्यता का विकास हुआ, मनुष्य ने अपनी पसंद का आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक वातावरण बनाने की कोशिश में पर्यावरण को बदलना शुरू कर दिया । इसके परिणामस्वरूप धीरे –धीरे प्राकृतिक संसाधनों की कमी और पर्यावरण का क्षरण हुआ। जल अधिनियमों के राष्ट्रीय विधानों के संदर्भ में इसकी व्याख्या कीजिए"। **(7)**

5. "बायोस्फीयर रिज़र्व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त क्षेत्र हैं जो मानव और बायोस्फीयर के बीच एक संतुलित संबंध को बढ़ावा देने और प्रदर्शित करने के लिए स्थापित किये गए हैं ।" प्रकृति के संक्षरण के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए। **(8)**

खण्ड – ख

6. निम्नलिखित शब्दों को लगभग 60 शब्दों में समझाइए: **(2x4=8)**

क) बीज बैंक

ख) भस्मीकरण

ग) जैविकीय ऑक्सीजन माँग

घ) सार्वजनिक स्वास्थ्य

7. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए। (5x4=20)

क) लेंटिक और लोटिक पारिस्थितिकी तंत्र क्या है ? उपयुक्त उदाहरणों के साथ इन दोनों की व्याख्या कीजिए।

ख) पारिस्थितिक अनुक्रमण क्या है ? उपयुक्त चित्रों की सहायता से अनुक्रमण के चरणों की व्याख्या कीजिए।

ग) प्रकृति के प्रति मानव के दृष्टिकोण के संदर्भ में जैवकेन्द्रितवाद और पर्यावरण केन्द्रितवाद की व्याख्या करें ?

घ) प्राकृतिक आपदाओं और उनके प्रकारों को उपयुक्त उदाहरणों के साथ परिभाषित कीजिए ।

8. ओजोन रिक्तीकरण के कारणों की व्याख्या करें ? पराबैंगनी किरणें मानव स्वास्थ्य , जानवरों, पौधो, सूक्ष्मजीवों, पानी और वायु की गुणवत्ता को कैसे प्रभावित करता है । **(7)**

9. "पर्यावरण जागरूकता के लिए शिक्षा युवा पीढ़ी के साथ – साथ पुरानी पीढ़ी के लिए भी आवश्यक है"। उपयुक्त उदाहरणों के साथ कथन की व्याख्या कीजिए। **(7)**

10. "जल संचयन सूखे से निपटने के प्रभावी उपायों में से एक है" उपयुक्त तर्कों के साथ इस कथन की व्याख्या कीजिए । **(8)**